ओडिशा का 'ड्रिंक फ्रॉम टैप' मिशन

[स्रोत: डाउन टू अर्थ]

वर्ष 2017 में ओडिशा सरकार ने अपना अग्रणी 'ड्रिंक फ्रॉम टैप' मिशन शुरू किया, जिससे यह घरेलू **नल कनेक्शन पर पीने के** [पानी की गुणवत्ता](#) **सुनिश्चित करने वाला भारत का पहला और एकमात्र राज्य** बन गया।

- इस पहल का उद्देश्य शहरी पेयजल आपूर्ति में बदलाव लाना, [जलजनित बीमारियों](#) से निपटना एवं वित्तीय तनाव से राहत दिलाना है। यह सीधे नल से उच्च गुणवत्ता वाले **पीने के पानी तक 24x7 पहुँच** प्रदान करता है, जिससे लागत और समय में कमी के साथ निस्पंदन अथवा उबालने की आवश्यकता भी समाप्त हो जाती है।
- वर्तमान में आठ शहरों में **2.55 मिलियन लोगों को कवर** करते हुए, इस मिशन का **लक्ष्य 2024 के अंत तक शहरी ओडिशा में 4.1 मिलियन लोगों तक पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराना** है।
- वास्तविक समय की निगरानी [पीने के पानी के लिये भारतीय मानक (IS)](#) को लागू करती है, घुलनशील एवं अघुलनशील घटकों के लिये अनुमेय सीमा बनाए रखती है और साथ ही सुरक्षित खपत भी सुनिश्चित करती है।
- **'जल साथी' कार्यक्रम** जैसी सामुदायिक भागीदारी पहल सेवा वितरण एवं व्यवहार परिवर्तन की सुविधा के लिये [स्वयं सहायता समूहों](#) की महिलाओं को सूचीबद्ध करती है।
- यह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स द्वारा तृतीय-पक्ष मूल्यांकन परियोजना के महत्त्व एवं प्रतिकृति की क्षमता पर प्रकाश डालता है।

और पढ़ें... जल प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं का सार-संग्रह - 3.0

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/odisha-s-drink-from-tap-mission